लिखित समय की गतिविधि (9:00 – 9:30AM)

- झोला गतिविधि : दिए हुआ शब्दों को realia या चित्र के द्वारा दिखाएँ, फिर उन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।

Words from previous day

Recap activity and introduction of the theme (10 -10:15AM)

कल मैंने ये सीखा :

गतिविधी-   बूझो तो जानें (recap)

Or

बच्चे घेरे में खड़े होकर कल के पाठ से शब्द /वाक्य बोल कर गेंद एक दूसरे की तरफ फेंकेंगे।

अब आज का विषय introduce करें

विषय –

Ecofriendly India through incredible ecofriendly trives of India

उप विषय - Chhattisgarh

आज का पाठ

Ecofriendly products & crafts of chhattisgarh

Dhokara kala

Godna

I can do

- I can tell some of the ecofriendly products and arts of Chhattisgarh tribes.
- I can tell all about Dhokara Art / Bell metal art of Chhattisgarh- what it is, how & with what material it is made of.
- I can tell the process of making Dhokara Art.
- I can tell about the godna art
- I can compare and make connection of godna art with modern American tattoo
- I can buy / sell Chhattisgarhi handicraft product.

Opening Activity

- **Teacher will Start the lesson with the question –nimantran patra mein aapke teesare din ka karykram kya?**
- **Students will answer meeting with local tribes of Bastar to learn about their ecofriendly products specially Dhokara & godana art.**

Eco-friendly products of Chhattisgarh 11:05 -11:55 AM

You have seen variety of Chhattisgarh craft in Dussehra festival. How and with what material these are made? What is there importance in Chhattisgarhi culture. Are these products ecofriendly? We will find out all this today.

(Dussehra festival mein aap ne Chhattisgarhi ki kala ke kai namune dekhe. Ye sab kisase aur kaise banate ? Inka bhartiya sanskriti mein kya mahattv hai? Kya ye utpaad ecofriendly hain. Ye sab aaj janege.)

छत्तीसगढ़ की हस्तकला और उत्पाद

Writing: Students will make a list of the words they have recognize in the video. Repeat the video if necessary.

Speaking: Students will work in pair and ask & answer each other "tumane kya dekha?" .

Then show the Rajyotsav of Chhattisgarh–

https://www.youtube.com/watch?v=zEsjgo0bC18

Shabari imporium

https://www.youtube.com/watch?v=VOSEgYbswMk

आज हम छत्तीसगढ़ की इन ४ हस्त कलाओं के बारे में जानेंगे। -----

- ढोकरा शिल्प
- तूम्बा शिल्प
- गोदना शिल्प
- काष्ठ शिल्प

Dhokara art

यह एक प्राचीन कला है. इस कला में मिट्टी, मोम और धातु के मिश्रण से मूर्तियां, ज्वैलरी, बर्तन, व रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाला सामान बनाया जाता है. अंग्रेजी में इसे वेक्स लॉस प्रोसेस कहते है.

ढोकरा शिल्प बनाने की विधि

यह मिट्टी, मोम और धातु के मिश्रण से बनती है।

मिट्टी

+

मोम

+

धातु

Activity 1:

Watch this video and note down the words that you hear or see in Hindi then ask your partner-

Aapne kya kya dekha?

Dhokara Art---

https://www.youtube.com/watch?v=sGudibCFj9Q

or

https://www.youtube.com/watch?v=AMMN_1gW6Sc

ढोकरा शिल्प बनाने की विधि

Activity: बच्चों को एक चिट उठाने के लिए कहें जिसमें ये वाक्य लिखे हैं। बच्चे वाक्य पढ़े और ढोकरा शिल्प बनाने की विधि के क्रम के अनुसार लाइन में खड़े हों

मिट्टी से आकार

सेम के पत्ते का लेप

मोम (वैक्स) लगाते हैं

मिट्टी की दूसरी परत चढ़ाते हैं

आग में पकाते है

गरम धातु भरते हैं

मिट्टी की दूसरी परत तोड़कर निकाल देते हैं

तुम्बा शिल्प

तुम्बा शिल्प बस्तर के आदिवासी बनाते हैं
यह लौकी से बनती है

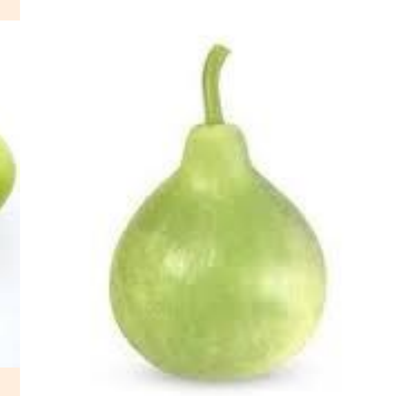

पहले लौकी को पेड पर पकाते हैं
फिर उसके अंदर का गूदा चाकू द्वारा बहार निकल देते हैं
इसके बाद इसे धुप मै सुखाते हैं
सुखने पर लौकी की सतह पर गर्म लौहे के चाकू की सहायता से डिजाइन तैयार किये जाते है।
इसके बाद लौकी को नरम साबून एवं पानी से धो कर धूप मे सुखा दिया जाता है,
सूखने के बाद वेक्स पाँलिश की जाती है जिससे कलाकृति चमक उठती है।

तुम्बा शिल्प

तुम्बा बनाने की विधि ---

Activity 1: Watch this video and note down the things that you hear or see then ask your partner- Aapne kya kya dekha? compare it with Holloween pumpkin carving

https://www.youtube.com/watch?v=7_LfQc-lMJ4

Activity 2:

खाली स्थान में उचित शब्द भरें।

(गर्म लौहे, गलाते, गूदा, धो कर, चाकू, वेक्स पाँलिश, पकाते, चमक, धूप, सुखाते,)

1. पहले लौकी को पेड पर ------------हैं
2. फिर उसके अंदर का ---------------चाकू द्‌वारा बहार निकल देते हैं
3. इसके बाद इसे ------------- मै सुखाते हैं
4. सूखने पर लौकी की सतह पर ------------- ------------के चाकू की सहायता से डिजाइन तैयार किये जाते है।
5. इसके बाद लौकी को नरम साबून एवं पानी से ------------धूप मे सुखा दिया जाता है,
6. सूखने के बाद ----------- --------------की जाती है जिससे कलाकृति -------------उठती है।

गोदना

छत्तीसगढ़ के बस्तर की लोक संस्कृति में गोदना कला का बहुत महत्व है। न केवल गोंड समाज, बल्कि माडिसा, मुरिया समाज व हिंदू समाज में भी इसका प्रचलन है। जिस तरह शहरी लोग टैटू बनवाते हैं, उसी तरह गांवों में गोदना कला का प्रचलन है।

शहरी लोग टैटू

गांवों में गोदना

बस्तर की लोक संस्कृति में गोदना कला का बहुत महत्व

इसके बिना बेटी
ब्याही नहीं जाती

ज्यादा गोदना
ज्यादा अमीर

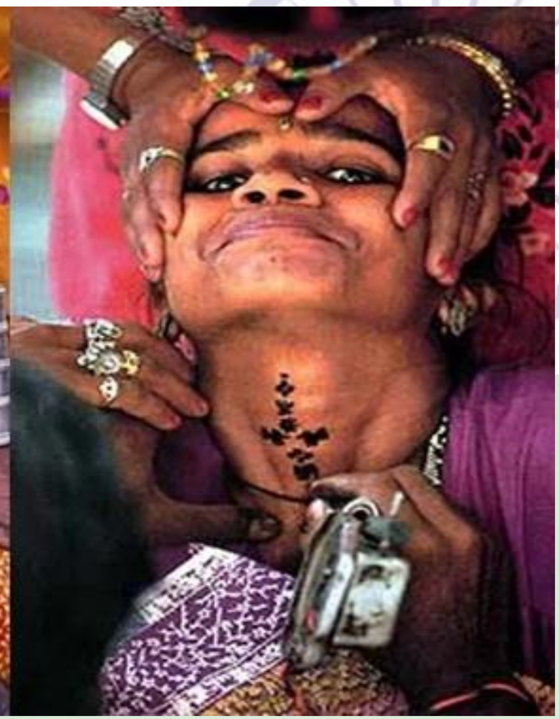

गोदना –
हरित है
परमानेंट है

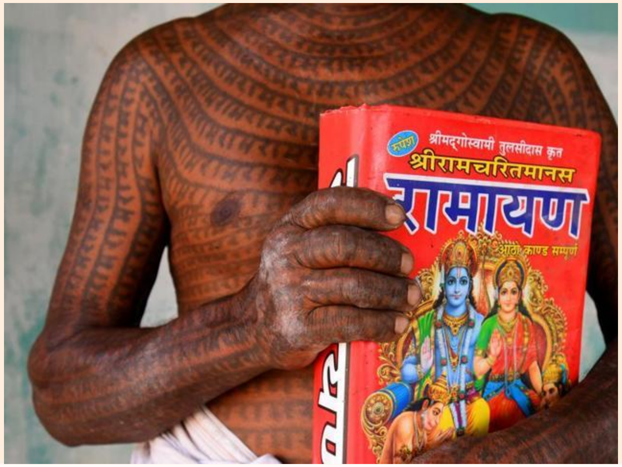

टैटू - हरित नहीं है
परमानेंट है

मेंहदी / हिना-
हरित है
परमानेंट है

Aayiye Godana kala ke baare mein vistaar se jaane

Activity 1: Watch this video and note down the things that you hear or see.

Godana art interview

https://www.youtube.com/watch?v=U1HKhXsECZk

Activity 2: Then work in group of 4 –reporter, godana artist, common people, & chhattisgarh sashan. Reporter will ask following 3 questions. First talk about it and find out your answers and present you findings in front of class. Video record it.

Reporter to godana artist - पहले लोग गोदना गोदते थे अब क्यों नहीं? गोदना अब किस रूप में जिन्दा है ?

Reporter to common people-- आप को गोदना पसंद है या टैटू ? क्यों?

Compare godana with American tattoo and menhadi. Express your likes and dislikes

Reporter to chhattisgarh sashan - गोदना कला को बढ़ावा देने के लिए आप क्या करेंगे ?

काष्ठ शिल्प

बस्तर का काष्ठ शिल्प विश्व प्रसिद्ध है।

खंभे, मूर्तियां, देवी झूले, तीर-धनुष, कुल्हाड़ी, पशु पक्षियों की आकृतियां आदि इसके उदाहरण है।

काष्ठ शिल्प लकड़ी से बनती है।

आइये देखें कि कैसे बनती है

Activity 1: Watch this video and note down the words that you hear or see

https://www.youtube.com/watch?v=su5OllTFdo8

Activities for Learning and/or Assessment 11:55 -12:30

Activity 1: The words that belong to dhokara art put them in the dhokara circle and the words that belong to godna put them in godna circle. Common words will go in the common space.

गर्म लौहे, मिट्टी गलाते, मोम, गूदा, धो कर, आग, चाकू, वेक्स पाँलिश, दूसरी परत, पकाते, चमक, धूप, सुखाते, सेम के पत्ते, पिघलने, गरम धातु

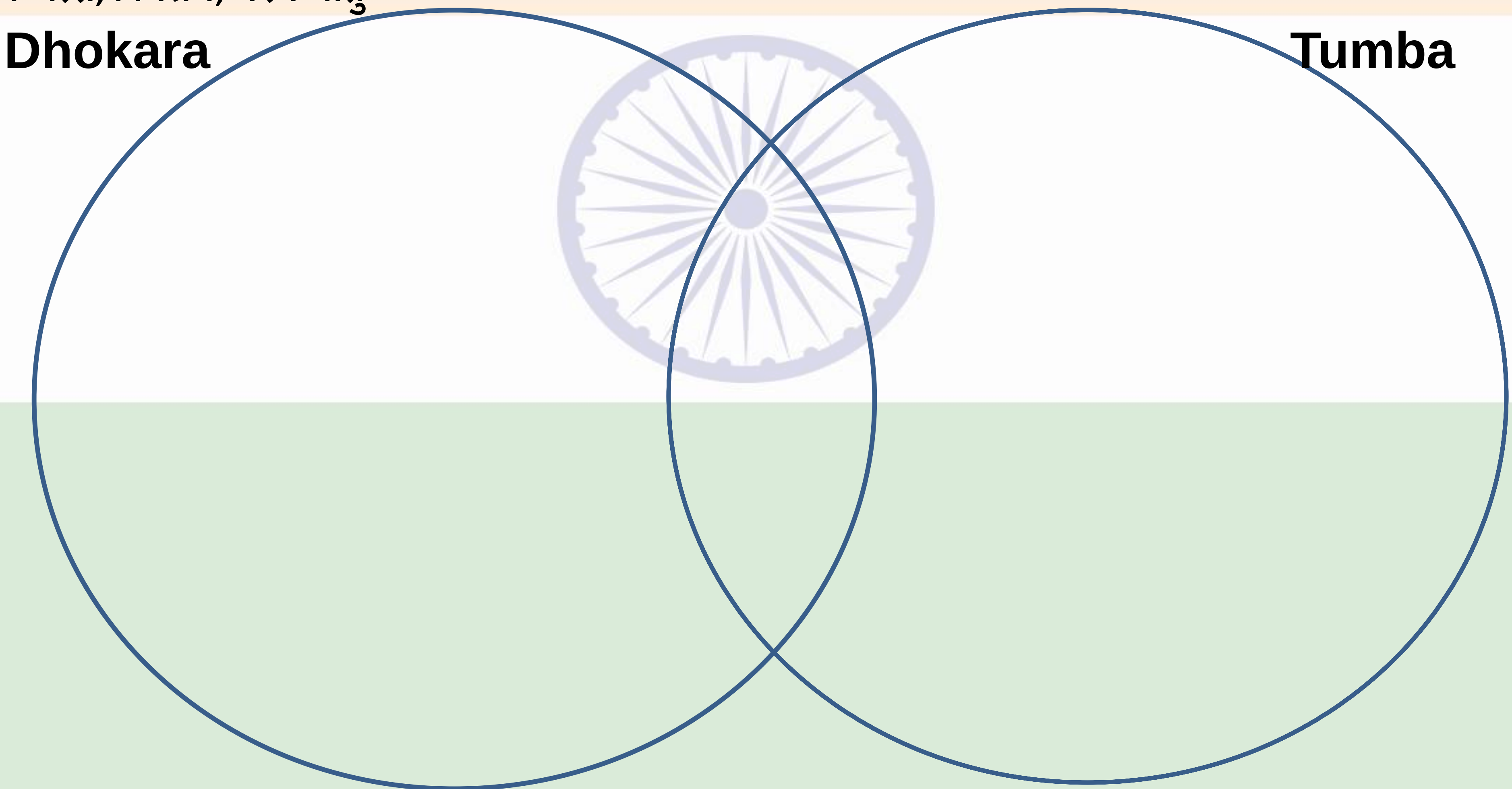

Activities for Learning and/or Assessment Unit 3

Intermediate & Advance-

Divide class in 3 groups. Each group will fallow these steps-----

Step

1. **make a invitation card**
2. **Invite a chief guest (camp director or some one) to attend the festival that you have designed to promote tourism in Chhatisgarh.**
3. **Greet your guest with traditional chhatisgari gesture.**
4. **Role play--**

Group 1— tour guide --Show them some interesting visiting places in Chhattisgarh.

Group 2—Tribe(product maker)-visitor /reporter . Tribes will explain reporters about chhattisgarhi products. What and how the products are made, their demand in the market . They will also state that these are eco-friendly products.

Unit 3 11:55 -12:30 AM
buying selling barganing

Group 3—Make a scene of baajaar and role play of buying /selling of the products (vender & customer–exe--

https://www.youtube.com/watch?v=9dJI0_VnULM

दूकानदार: आइए, क्या लेंगी?
ग्राहक: मैं X लूंगी।
दूकानदार: किस रंग की ?
ग्राहक: लाल रंग की।
दूकानदार: लीजिए
ग्राहक: कितने की है ?
दूकानदार: सौ रुपये की।
ग्राहक: ये तो मँहगी है।
दूकानदार: नहीं, मँहगी नहीं है।
ग्राहक: कुछ कम करो।
दूकानदार: ठीक है , ९० रुपये दे दीजिये।
ग्राहक: धन्यवाद, ये लीजिए।

धन्यवाद !

फिर मिलेंगे !!

नमस्ते !!!